VOLTEDGE

Pyraclostrobin 20% WG

Fungicide

Pyraclostrobin 20% WG is a very effective fungicide used to control Early blight disease in Tomato, Frog eye leaf spot (Cercospora) & Alternaria leaf spot disease in Soybean, Alternaria leaf blight disease in Cotton, Turicium leaf blight in Corn, Tikka disease in Groundnut, Anthracnose in Chilli and Sigatoka leaf spot in Banana crops.

Chemical Composition :

Components Name	%w/w
Pyraclostrobin : active ingredients	20.00 % w/w
Precipitated Silicic Acid	20.80 % w/w
Ammonium Sulfate	20.00 % w/w
Sodium Lignosulfonate	18.00 % w/w
Sodium salt of condensation product of Naphthalenesulfonic acid with formaldehyde	11.00 % w/w
Mixture of sodium alkylcarbonylate and sodium alkylnaphthalene sulfonate	02.00 % w/w
Sodium salt : tallow fatty acid	00.50 % w/w
Aluminium silicate : Kaolin	Q.S % w/w
Total:	**100.00% w/w**

Dosage :

Crop(s)	Common Name of Pest	Dosage / HA A.I. Formulation (g.a.i/ha)	(ml/ha)	Dilution in Water (ltr./ha.)	Re-entry Period	Pre-Harvest Period
Tomato	Early blight	75-100	375-500	500	24	3
Soyabean	Frog eye leaf spot (Cercospora) & Alternaria leaf spot	75-100	375-500	500	24	26
Cotton	Alternaria leaf blight	100	500	500	24	14
Corn	Turicium leaf blight	100	500	500	24	40
Groundnut	Tikka disease	100	500	500	24	26
Chili	Anthracnose	100	500	500	24	3
Banana	Sigatoka leaf spot	150	750	500	24	103

Good Practices relating to fungicide application techniques

Direction for use: Measure out required quantity of the product and mix it well with a small quantity of water. Add the remaining quantity of water as specified through agitation and spray with knapsack sprayers or high volume sprayers. **Weather conditions:** Should be applied preferably in the morning and evening. Avoid applications under high wind. There should not be any rainfall at least within 5 hours of application. **Soil and water:** This is foliar application fungicide. So, hardly have any relation to soil. **Crop stage for application:** Preventive application before the first symptoms of disease observed. **Application technique:** The product can be sprayed with High and low volume sprayers. It can be applied by Manual and tractor mounted Sprayer equipped with hollow cone nozzle using sufficient quantity of water to ensure thorough coverage. **Equipment type:** High and low volume sprayers, Manual and tractor mounted sprayer. **Nozzle type:** Hollow cone nozzle.

Dosage: Please refer recommendation table.

Instruction for mixing: Please see **" Direction of use". Re-entry Period:** 24 hours. **Manner and Time of Application:** Preventive application before the first symptoms of disease observed. **Application timings:** The product can be applied as prophylactic. Should be applied preferably in the morning and evening. **Frequency including maximum number of sprays:** 2-3 sprays depending upon disease pressure.

Stages during which fungicide should not be applied on any crop: Not to be applied during crop maturity and just before crop harvest.

Precaution to be taken to avoid harm to the beneficial insects like honey bees and natural enemies of pests: 1. Toxic for fish and other aquatic animals. Therefore, aquaculture should not be used near aquaculture. 2. Toxic for bees. Therefore, should not be used during active foraging of bees.

Symptoms of Poisoning: The early symptoms may be any combination of nausea, vomiting. Eye and skin irritation may occur.

First Aid : In case of skin contact remove contaminated clothes immediately. Wash the contaminated skin thoroughly with soap and water. If inhaled, keep patient calm, remove to fresh air. In case of eye contact wash affected eyes for atleast 15 minutes under running water with eyelids held open. In case of ingestion, rinse mouth immediately and then drink plenty of water. seek medical attention.

Antidote Statement: There is no specific antidote. Treat the patient symptomatically. **Phytotoxicity:** Not phytotoxic at recommended dosage.

Instruction for Storage: 1. The package containing the fungicide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of insecticide. 2. The rooms or premises meant for storing the fungicide shall be well built, airy, well lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapour.

Safety Precautions: 1. Avoid inhalation and skin contact while diluting because of spillage or splashes. Do not mix with bare hands. 2. The user should use full protective clothing, which includes rubber gloves, boots, face shield and overall or rubber apron or hat. 3.Keep away from foodstuffs, empty foodstuffs containers and animal food.

Cautionary Statement: 1. Dangerous to reuse empty containers. 2. Not to be used on crops other than mentioned on active foraging of bees should not be used during more and more use. This labelleaflet. 3. Toxic for fish and other aquatic animals. Therefore, should not be used near aquaculture. 4. Toxic for bees. Therefore, should not be used during active foraging period of bees.

Disposal of used containers, washing from equipment and surplus material: 1. It shall be the duty of manufactures, formulators of fungicides and operators to dispose packages or surplus material and washings in a safe manner so as to prevent environmental or water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. The packages shall be broken and buried away from habitation.

वोल्टेज

पायराक्लोस्ट्रोबिन 20% डब्लू जी

फफूंदीनाशक

पायराक्लोस्ट्रोबिन 20% डब्लू जी एक अत्यंत प्रभावी फफूंदीनाशक है जिसका प्रयोग टमाटर की फसल में अरलीब्लाइट रोग, सोयाबीन की फसल में कोणाकार धब्बा रोग, सोयाबीन की फसल में कोणाकार धब्बा रोग, कपास की फसल में टर्शीकम लीफ ब्लाइट, मूंगफली की फसल में टिक्का रोग, मिर्ची में एन्थ्रावनोज रोग और केला के पौधे में सिगाटोका पर्ण चित्ती रोगों की प्रभावशाली तरीकाम के लिए किया जाता है।

रासायनिक संरचना

तत्व	%भार / भार
पायराक्लोस्ट्रोबिन : सक्रिय घटक	20.00% भा/भा
प्रिसिपिटेटेड सिलिसिक एसिड	20.80% भा/भा
अमोनियम सल्फेट	20.00% भा/भा
सोडियम लिग्नोसल्फोनेट	18.00% भा/भा
फॉर्मेलडिहाइड के साथ नैफ्थालिनसल्फोनिक एसिड के संघनन उत्पाद का सोडियम सॉल्ट	11.00% भा/भा
सोडियम अल्काइलकार्बोनिलेट और सोडियम अल्काइलनैफ्थालिन सल्फोनेट	02.00% भा/भा
सोडियम सॉल्ट : टैलो वैटी मॉड्यूल	00.50% भा/भा
एलुमिनियम सिलिकेट:केओलिन	क्यूएस भाव भा/भा
कुल:	**100.00% भा/भा**

मात्रा :

फसलें	कीट के नाम	प्रति हेक्टेयर मात्रा पायरा सक्रिय तत्व (ग्रा/हे) (ग्रा.सं./हे)	(मि.ली./हे)	पानी में मात्रा (ली./हे.)	पुन: प्रवेश	पूर्व फसल
टमाटर	अगेती ब्लाइट	75-100	375-500	500	24	3
सोयाबीन	फ्रोग्स् लीफ स्पॉट (सरकोस्पोरा लीफ्स) एंड अल्टरनेरिया पर्ण धब्बा	75-100	375-500	500	24	26
कपास	अल्टरनेरिया पर्ण धब्बा	100	500	500	24	14
मक्का	टर्सीकम लीफ ब्लाइट	100	500	500	24	40
मूंगफली	टिक्का रोग	100	500	500	24	26
मिर्ची	एन्थ्रेक्नोज रोग	100	500	500	24	3
केला	सिगाटोका पर्ण चित्ती	150	750	500	24	103

फफूंदीनाशक अनुप्रयोग तकनीकों से संबंधित अच्छे अभ्यास

उपयोग के लिए निर्देश: उत्पाद की मापी हुई मात्रा को थोड़े से पानी में घोलें। फिर एक सिलिंडर की मदद से पानी की निर्धारित बाकी मात्रा को इसमें अच्छी तरह मिला दें। मौसम की स्थिति: सुबह और शाम के समय इसेलागू करना ज्यादा बेहतर होता है। हवा के तेज झोंकों में इसका उपयोग कोई सिफारिश नहीं है। मिट्टी और पानी: यह फफूंदीनाशक का पानी सिंचाकार किया जाता है। जब तक रोग हवा पर रही हो तो सिंचाकार करने से बचें। आवेदन के लिए फसल अवस्था: रोग के शुरुआती लक्षण नजर आने से पहले बचावकारी इलाजका किया जा सकता है। आवेदन तकनीक: इस दवा का छिड़काव उच्च तथा कम दाबवाले यंत्रों से लगेगा। इसका छिड़काव मैनुअल तथा ट्रैक्टर पर लगे स्प्रेयर यंत्र से होगी कोन नोजल के जरिए किया जाता है, पर्याप्त मात्रा में पानी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए ताकि पूरी फसल को कवर किया जा सके। उपकरण प्रकार: छिड़काव उच्च तथा कम मौलमूल यंत्रों स्प्रेयर्स, मैनुअल तथा ट्रैक्टर पर लगे स्प्रेयर यंत्र। नोजल प्रकार: होली कोन नोजल।

मात्रा :अनुशंसित फसलों की सूचना तालिका के अनुसार।

मिश्रण के लिए निर्देश: कृपया (उपयोग के निर्देश देखें)। पुन: प्रवेश की अवधि: 24 घंटे। आवेदन का समय और रीति: रोग के शुरुआती लक्षण नजर आने से पहले बचावकारी इलाजका किया जा सकता है। आवेदन का समय: दवा का इलाजका प्रोफाइलैक्टिक के रूप में किया जा सकता है। सुबह और शाम के समय छिड़काव करना ज्यादा बेहतर होता है। अधिक से अधिक अंश सहित अनुप्रो बौवारी की स्थिति के अनुसार 2-3 छिड़काव।

ऐसा जिसके दौरान किसी भी फसल पर फफूंदीनाशक नहीं लगाया जाना चाहिए: फसल पकने पर और फसल काटने से ठीक पहले उपयोग न करें।

चहद की मधेमक्खी और बीटल के प्राकृतिक शत्रुओं जैसे लाभकारी कीड़ों से नुकसान से बचने के लिए सावधी जाने वाली सावधानियाँ: 1. मछलियों और अन्य जलीय जीवों के लिए विषाक्त। इसलिए एक्वाकल्चर के पास इसेलागू नहीं किया जाना चाहिए। 2. मधुमक्खियों के लिए विषाक्त। इसलिए मधुमक्खियों के सक्रीय चरिंग अवधि के दौरान उपयोग नहीं करना चाहिए।

विषाक्तता के लक्षण: प्रारंभिक लक्षण मतली, उल्टी का कोई भी संयोग हो सकता है। आँख व त्वचा में झुंझलाहट हो सकती है।

प्राथमिक चिकित्सा: त्वचा से संपर्क में आने पर दूषित कपड़े तुरंत निकालें। साबुन और पानी से दूषित त्वचा अच्छे से धोएं। यदि सूंघा लिया हो तो मरीज को शांत करें, उसे ताजी हवा में निकालें। आंख में पड़ने पर बहते पानी में पुतलियों को खोलकर कम से कम 15 मिनट तक प्रभावित आंखे धोएं। निगलने पर तुरंत धोए और बाद में बहुत पानी पीएं। डॉक्टरी सलाह लें।

चिकित्सक: कोई विशिष्ट चिकित्सकीय नहीं है। मरीज का उपचार लक्षणानुसार करें। पादप आविषाक्तता सिफारिश की गयी मात्रा के अनुसार पौध विषाक्त नहीं है।

संग्रहण की शर्तें: 1. फफूंदीनाशक युक्त पैकेजेस को अन्य वस्तुओं खासकर खाद्य पदार्थ पदार्थ रखने के लिए प्रयुक्त कमरों या अलमारी से एकदम पृथक या उसे मात्रा और फफूंदीनाशक के स्वरूप के आधार पर अलग अलमारी में ताले बंद करके रखना चाहिए। 2. फफूंदीनाशक के भंडारण हेतु प्रयुक्त कमरे या आहाते सुरक्षित, हवादार, सुनियुक्त और खुले हुए होने चाहिए ताकि वाष्प से प्रदूषण रोका जा सके।

प्रयोगकर्ताओं के लिये सावधानियाँ: 1. घोल बनाते समय विसाव या छींटों से सीधे ने लेना और त्वचा से संपर्क टालें। मुंहे हाथों से न मिलाएं। 2. खाद्य पदार्थों, खाली खाद्य पदार्थों के कंटेनर और जानवरों के भोजन से दूर रखें। 3. उपयोगकर्ता को पूर्ण सुरक्षात्मक पोशाक पहननी चाहिए जिसमें शामिल है। रबर दस्ताने, बूट, नकाब और रबर एप्रेन या हैट।

फफूंदीनाशक के प्रयोग किए गए डिब्बों, बचे हुए फफूंदीनाशकों तथा डिब्बों के धोवन का निपटारा: 1. यह फफूंदीनाशकों के निर्माताओं, ऑपरेटरों और फॉर्मुलेटरों का कर्तव्य होगा की पर्यावरणीय या जलीय प्रदूषण को रोकने के लिए एक सुरक्षित तरीके से पैकेज या अतिरेक वस्तुओं और धोवन का निपटान करें। 2. उपयोग किये हुए पैकेज को खुले में न छोड़े ताकि उनका पुनरुपयोग न किया जा सके। 3. पैकेज को लोकल आबादी से दूर जमीन के निये गाड़ दें।

सावधानियां कथन: 1. खाली डिब्बों का पुन: उपयोग के लिए खतरनाक है। 2. लेबल और पत्रों पर उल्लिखित या होने की स्थिति में इसका प्रयोग फसल पर न करें। 3. मछली और अन्य जलीय जीवों के लिए विषाक्त। इसलिए एक्वाकल्चर के पास इसेलागू नहीं किया जाना चाहिए। 4. मधुमक्खियों के लिए विषाक्त। इसलिए मधुमक्खियों के सक्रीय फोरिंग अवधि के दौरान उपयोग नहीं करना चाहिए।

देसप्रेस

पायराक्लोस्ट्रोबिन 20% डब्लू जी

फफूंदीनाशक

पायराक्लोस्ट्रोबिन 20% डब्लूजी पीएच ऊँचीपानी में किसानों बराबर टमाटर की झुलसा रोग, सोयाबीन की फसल में कोणाकार धब्बा रोग, सोयाबीन की फसल में कोणाकार धब्बा रोग, कपास की फसल में अल्टरनेरिया पर्ण धब्बा, कपास की फसल में टर्शीकम लीफ ब्लाइट, मूंगफली की फसल में टिक्का रोग, मिर्ची में एन्थ्रावनोज रोग और केला के पौधे में सिगाटोका पर्ण चित्ती रोगों की प्रभावशाली तरीकाम के लिए किया जाता है।

रासायनिक संरचना

तत्व	%भार / भार
पायराक्लोस्ट्रोबिन : सक्रिय घटक	20.00% भा/भा
प्रिसिपिटेटेड सिलिसिक एसिड	20.80% भा/भा
अमोनियम सल्फेट	20.00% भा/भा
सोडियम लिग्नोसल्फोनेट	18.00% भा/भा
नैफ्थालिनसल्फोनिक एसिड जिस फॉर्मेलडिहाइड के साथ संघनित होता है उसका सोडियम सॉल्ट	11.00% भा/भा
सोडियम सॉल्ट ऑफ कार्बोनेलेटेड प्रीडेकट और सोडियम अल्काइलनैफ्थालिन सल्फोनेट	02.00% भा/भा
सोडियम सॉल्ट टेलो वैटी मॉड्यूल	00.50% भा/भा
अलुमुनियम सिलिकेट: केओलिन	पूर्ण्ण भाव भा/भा
कुल:	**100.00% भा/भा**

मात्रा:

फसल	कीटकों की सामान्य नाम	प्रति हेक्टर मात्रा सक्रिय तत्व (ग्रा./हे) (ग्रा.सं./हे)	पानी में मात्रा (ली./हे)	पुन: प्रवेश	पूर्व फसल
टमाटर	अगेती ब्लाइट	75-100	375-500	500	24	3
सोयाबीन	कोण आव लीफ स्पॉट (सर्कोस्पोरा) आणि अल्टरनेरिया	75-100	375-500	500	24	26
कापूस	अल्टरनेरिया लीफ ब्लाइट	100	500	500	24	14
मका	टर्सीकम लीफ ब्लाइट	100	500	500	24	40
भुईमूग	टिक्का रोग	100	500	500	24	26
मिरची	एन्थ्रेक्नोज	100	500	500	24	3
केळी	सिगाटोका लीफ स्पॉट	150	750	500	24	103

बुरशीनाशक वापरण्याच्या पद्धतीसंबंधी चांगल्या प्रथा:

वापरण्याची निर्देश: आवश्यक प्रमाणात बुरशीनाशक घेऊन ते थोडाशा पाण्यात मिसळून एकत्रित करावा. उरलेल्या पाण्याची भर घालून मिश्रण एकजीव करावे. पंपाने फवारणी करावी. **हवामान परिस्थिती:** फवारणीसाठी सकाळ किंवा संध्याकाळची वेळ सर्वोत्तम. जोरदार वारे सुरू असताना फवारणी करू नये. **माती आणि पाणी:** हे पानांवर फवारणी करण्यासाठी बुरशीनाशक आहे त्यामुळे मातीची काही संबंध नाही. **वापरण्यासाठी पिकाची स्थिती:** रोगाची प्राथमिक लक्षणे दिसण्यापूर्वी प्रतिबंधात्मक उपाय. **वापरण्याची पद्धत:** मोठाव किंवा छोटाव आकारणा स्प्रेयरने फवारणी करता येते. हाताने चालवता येणारा किंवा ट्रॅक्टरवर बसवलेला आणि होलो कोन नोझल बसवलेल्या स्प्रेयर ने फवारणी करावी. आणि संपूर्ण पिकावर नीट फवारणी करण्यासाठी पुरेशा प्रमाणात पाणी वापरावे. **उपकरणाचे प्रकार:** मोठाव आणि लहान आकारचे स्प्रेयर, हाताने चालवता येणारे आणि ट्रॅक्टरवर बसवलेले स्प्रेयर. **नोजल प्रकार:** होली कोन नोझल.

मात्रा: मात्रा तक्ता पाहा.

मिश्रणासाठी निर्देश: कृपया "वापरण्यासाठी निर्देश" बघा. **पुनर्प्रवेश अवधी:** 24 तास. **वापरण्याची पद्धत आणि वेळ:** रोगाची प्राथमिक लक्षणे दिसण्यापूर्वी प्रतिबंधात्मक उपाय. **वापरण्याची वेळ:** हे उत्पादन प्रोफायलॅक्टिक म्हणून वापरता येते. फवारणीसाठी सकाळ किंवा संध्याकाळची वेळ सर्वोत्तम. **फवारण्याच्या अधिकतम संख्येसह पुनरावृत्ती:** रोगाच्या तीव्रतेनुसार 2-3 फवारण्या.

कोणत्याही पिकावर बुरशीनाशक वापरू नये अशा स्थिती: पीक पूर्णपणे तयार झालाच किंवा अगदी कापणीपूर्वी वापर नये.

मधमाशांसारख्या लाभदायक कीटक आणि कीटकांच्या नैसर्गिक शत्रूंचा हानी पोहचू नये म्हणून घ्यायची काळजी: 1. माशे आणि जलचरप्राणी विषारी असल्यामुळे जलशास्त्रीय काम करायचे असेल तर मासवाडत होत असलेल्या ठिकाणी वापर नये. 2. मधमाशांसाठी विषारी आहे. मधमाशा सक्रिय असताना फवारणी करणे टाळावे.

विषबाधेची लक्षणे: मळमळ, उलट्या आणि सुरुवातीच्या नसीत जळजळ होणे, डोळे, मानेच्या, पोट आखून येणे, जुलाब आणि पोटात दुखणे.

प्रथमोपचार: त्वचेशी संपर्क झाला असल्यास दूषित कपडे लगेच काढून टाका आणि दूषित त्वचा भरपूर पाणी आणि साबणाने स्वच्छ धुवा. श्वासाद्वारे आत गेलाच, रुग्णास शांत ठेवा आणि गोकळवा हाताने नका. डोळ्यांशी संपर्क झालाच डोळे उघडून पाण्याखाली पाण्याच्या जलद वेगाने किमान 15 मिनिटे धुवा. गोळा गेले असल्यास लगेच मुख भरा आणि भरपूर पाणी प्या. डॉक्टरांना बोलवा.

विषनाशक: कोणताही विशिष्ट उतारा नाही. लक्षणानुसार उपचार करावे.

फायटोटॉक्सिसिटी: निर्धारित प्रमाणात प्रयोग केलात तर झाडाला विषबाधा होत नाही.

साठवणीसाठी निर्देश: 1. बुरशीनाशक असणारी पेकेजिस, इतर नाव विशेषत: खाद्यपदार्थ साठवणासाठी वापरलेल्या जागाच्या बाहेरच्या जागा किंवा परिसर वेगळ्या कोठ्यात, जागेच साठवण करून किंवा ठेवावे, किंवा ही त्याने प्रमाण आणि स्वरूप लक्षात घेऊन वेगळ्या कपाटाशी कडीकुलूपात ठेवावीत. 2. बुरशीनाशक साठवणीकरता असलेल्या खोल्या, जागा सोपल्या पऱ्हेसाठा भुरुण राखा. 3. पेट्या काढलेल्या, कोरडया, चांगल्या हवा खेलणारा आणि पुरेशा क्षेत्रफळाच्या असाव्यात.

सुरक्षितेविषयक काळजी: 1. पाणी मिसळून घेताना फवारा करता असताना, साहस्यामुळे किंवा तुषार उडून दूषणीकरण न व्हावयासाठी आत जाणार नाही किंवा त्वचेचा संपर्क होणार नाही याची काळजी घ्या. गोळवाया हाताने मिसळू नका. 2. फवारणी करणाऱ्याने रबरी हातमोजे, बूट, मुखवटा, एप्रन, टोपी यासारखे संपूर्ण संरक्षक कपडे वापरावे. 3. खाद्यपदार्थ, ते उत्पादने विकले जाते आणि पाळवाणाचारा यांपासून दाव ठेवा.

इशारा: 1. रिकामे डबे पुन्हा वापरणे योग्यताकाम आहे. 2. लेबल आणि निर्देशनांविषयी सांगितलेल्या वारणानांविरिक्त इतर कोणत्याही हेतुसाठी वापरू नये. 3. माशे आणि जलचरप्राणी विषारी असल्यामुळे जलशास्त्रीय आणि मत्स्यपालन होत असलेल्या ठिकाणी वापरू नये. 4. हे मधमाशांसाठी विषारी आहे. मधमाशा सक्रिय असताना फवारणी करणे टाळावे.

वापरलेले डबे, उपकरणे धुतलेले पाणी आणि उरलेले बुरशीनाशक यांची विल्हेवाट: 1. बुरशीनाशकाने निर्माता आणि फवारकाकडेनी जे डबे उरे ते 1 भाशी (ग्रम्यास), वरील बुरशीनाशकाचे उरलेलेले आणि धोवायचाया पाण्याचा सुरक्षित रित्या ते 3 पेकी वापरायचा प्रद्रिष्ट न घ्यावे. 2. वेपरायचा रिते डबे जमीन (ग्रम्य) पेऱ्हेडोयांनी दडीवर टाकावे. 3. डबे पुन्हा वापरले जाऊ नयेत म्हणून त्यांचे तुकडे करून त्यांचे जमिनीत दडवावे.

वोल्ट एज

पायराक्लोस्ट्रोबिन 20% डब्लू जी

फफूंदीनाशक

पायराक्लोस्ट्रोबिन 20% डब्लूजी एक अत्यंत प्रभावी फफूंदीनाशक है जिसका प्रयोग टमाटर की फसल में अरलीब्लाइट रोग, सोयाबीन की फसल में कोणाकार धब्बा रोग, कपास की फसल में अल्टरनेरिया पर्ण धब्बा, कपास की फसल में टर्शीकम लीफ ब्लाइट, मूंगफली की फसल में टिक्का रोग, मिर्ची में एन्थ्रावनोज रोग और केला के पौधे में सिगाटोका पर्ण चित्ती रोगों की प्रभावशाली तरीकाम के लिए किया जाता है।

रासायनिक संरचना

तत्व	%भार / भार
पायराक्लोस्ट्रोबिन : सक्रिय घटक	20.00% भा/भा
प्रिसिपिटेटेड सिलिसिक एसिड	20.80% भा/भा
अमोनियम सल्फेट	20.00% भा/भा
सोडियम लिग्नोसल्फोनेट	18.00% भा/भा
नैफ्थालिनसल्फोनिक एसिड जिस फॉर्मेलडिहाइड के साथ संघनित होता है उसका सोडियम सॉल्ट	11.00% भा/भा
सोडियम सॉल्ट ऑफ कार्बोनेलेटेड प्रीडेकट और सोडियम अल्काइलनैफ्थालिन सल्फोनेट	02.00% भा/भा
सोडियम सॉल्ट टेलो वैटी मॉड्यूल	00.50% भा/भा
अलुमुनियम सिलिकेट: केओलिन	पूर्ण्ण भाव भा/भा
कुल:	**100.00% भा/भा**

मात्रा:

फसलें	कीटकों की सामान्य नाम	प्रति हेक्टर मात्रा सक्रिय तत्व (ग्रा./हे) (ग्रा.सं./हे)	पानी में मात्रा (ली./हे)	पुन: प्रवेश	पूर्व फसल
टमाटर	अगेती ब्लाइट	75-100	375-500	500	24	3
सोयाबीन	कोण आव लीफ स्पॉट (सर्कोस्पोरा) आणि अल्टरनेरिया	75-100	375-500	500	24	26
कपास	अल्टरनेरिया लीफ ब्लाइट	100	500	500	24	14
मका	टर्सीकम लीफ ब्लाइट	100	500	500	24	40
भुईमूग	टिक्का रोग	100	500	500	24	26
मिरची	एन्थ्रेक्नोज	100	500	500	24	3
केळी	सिगाटोका लीफ स्पॉट	150	750	500	24	103

इस्तेमाल से पहले सावधानियां: 1. मछलियों और अन्य जलीय जीवों के लिए विषाक्त। इसलिए एक्वाकल्चर के पास इसेलागू नहीं किया जाना चाहिए। 2. मधुमक्खियों के लिए विषाक्त। इसलिए मधुमक्खियों के सक्रीय फोरिंग अवधि के दौरान उपयोग नहीं करना चाहिए।

विषाक्तता के लक्षण: प्रारंभिक लक्षण मतली, उल्टी का कोई भी संयोग हो सकता है। आँख व त्वचा में झुंझलाहट हो सकती है।

प्राथमिक चिकित्सा: त्वचा से संपर्क में आने पर दूषित कपड़े तुरंत निकालें। साबुन और पानी से दूषित त्वचा अच्छे से धोएं। यदि सूंघ लिया हो तो मरीज को शांत करें, उसे ताजी हवा में निकालें। आंख में पड़ने पर बहते पानी में पुतलियों को खोलकर कम से कम 15 मिनट तक प्रभावित आंखे धोएं। निगलने पर तुरंत धोए और बाद में बहुत पानी पीएं। डॉक्टरी सलाह लें।

चिकित्सक: कोई विशिष्ट चिकित्सकीय नहीं है। मरीज का उपचार लक्षणानुसार करें। पादप आविषाक्तता सिफारिश की गयी मात्रा के अनुसार पौध विषाक्त नहीं है।

संग्रहण की शर्तें: 1. फफूंदीनाशक युक्त पैकेजेस को अन्य वस्तुओं खासकर खाद्य पदार्थ पदार्थ रखने के लिए प्रयुक्त कमरों या आहाते से एकदम पृथक या उसे मात्रा और फफूंदीनाशक के स्वरूप के आधार पर अलग अलमारी में ताले बंद करके रखना चाहिए। 2. फफूंदीनाशक के भंडारण हेतु प्रयुक्त कमरे या आहाते सुरक्षित, हवादार, सुनियुक्त और खुले हुए होने चाहिए ताकि वाष्प से प्रदूषण रोका जा सके।

प्रयोगकर्ताओं के लिये सावधानियाँ: 1. घोल बनाते समय विसाव या छींटों से सीधे ने लेना और त्वचा से संपर्क टालें। मुंहे हाथों से न मिलाएं। 2. खाद्य पदार्थों, खाली खाद्य पदार्थों के कंटेनर और जानवरों के भोजन से दूर रखें। 3. उपयोगकर्ता को पूर्ण सुरक्षात्मक पोशाक पहननी चाहिए जिसमें शामिल है। रबर दस्ताने, बूट, नकाब और रबर एप्रेन या हैट।

फफूंदीनाशक के प्रयोग किए गए डिब्बों, बचे हुए फफूंदीनाशकों तथा डिब्बों के धोवन का निपटारा: 1. यह फफूंदीनाशकों के निर्माताओं, ऑपरेटरों और फॉर्मुलेटरों का कर्तव्य होगा की पर्यावरणीय या जलीय प्रदूषण को रोकने के लिए एक सुरक्षित तरीके से पैकेज या अतिरेक वस्तुओं और धोवन का निपटान करें। 2. उपयोग किये हुए पैकेज को खुले में न छोड़े ताकि उनका पुनरुपयोग न किया जा सके। 3. पैकेज को लोकल आबादी से दूर जमीन के निये गाड़ दें।

सावधानियां कथन: 1. खाली डिब्बों का पुन: उपयोग के लिए खतरनाक है। 2. लेबल और पत्रों पर उल्लिखित या होने की स्थिति में इसका प्रयोग फसल पर न करें। 3. मछली और अन्य जलीय जीवों के लिए विषाक्त। इसलिए एक्वाकल्चर के पास इसेलागू नहीं किया जाना चाहिए। 4. मधुमक्खियों के लिए विषाक्त। इसलिए मधुमक्खियों के सक्रीय फोरिंग अवधि के दौरान उपयोग नहीं करना चाहिए।

वोल्टएज

पायराक्लोस्ट्रोबिन 20% डब्लू.जी.

बुरशीनाशक

पायराक्लोस्ट्रोबिन 20% डब्लू.जी. हे टमाटरीचा लवकर करपा, सोयाबीनमधील फ्रोग्स लीफ स्पॉट सीड लेव्हल (सरकोस्पोरा) आणि अल्टरनेरिया सीड स्पॉट, कापसामधील अल्टरनेरिया लीफ ब्लाइट, मक्यामधील टर्सीकम लीफ ब्लाइट, भुईमूगामधील टिक्का, मिरचीमधील एंथ्रानोझ आणि केळीच्या पिकातील सिगाटोका लीफ स्पॉट या रोगांच्या नियंत्रणासाठी अत्यंत प्रभावी आहे.

रासायनिक रचना

घटक	% भार / भार
पायराक्लोस्ट्रोबिन : सक्रिय घटक	20.00% भा/भा
प्रिसिपिटेटेड सिलिसिक एसिड	20.80% भा/भा
अमोनियम सल्फेट	20.00% भा/भा
सोडियम लिग्नोसल्फोनेट	18.00% भा/भा
नैफ्थालिनसल्फोनिक एसिड जिस फॉर्मेलडिहाइड के साथ संघनित होता है उसका सोडियम सॉल्ट	11.00% भा/भा
सोडियम सॉल्ट ऑफ कार्बोनेलेटेड प्रीडेकट और सोडियम अल्काइलनैफ्थालिन सल्फोनेट	02.00% भा/भा
सोडियम सॉल्ट टेलो वैटी मॉड्यूल	00.50% भा/भा
अलुमुनियम सिलिकेट: केओलिन	पूर्ण्ण भाव भा/भा
कुल:	**100.00% भा/भा**

मात्रा:

पिकाचे नाव	कीटकांची सामान्य नावे	प्रति हेक्टर मात्रा सक्रिय तत्व (ग्रा./हे) (ग्रा.सं./हे)	पाण्याचे प्रमाण (ली./हे)	पुन:प्रवेश कालावधी	काढणीपूर्व कालावधी
टमाटो	अगेती करपाट	75-100	375-500	500	24	3
सोयाबीन	कोन आव लीफ स्पॉट (सर्कोस्पोरा) आणि अल्टरनेरिया	75-100	375-500	500	24	26
कापूस	अल्टरनेरिया लीफ ब्लाइट	100	500	500	24	14
मका	टर्सीकम लीफ ब्लाइट	100	500	500	24	40
भुईमूग	टिक्का रोग	100	500	500	24	26
मिरची	एन्थ्रेक्नोज	100	500	500	24	3
केळी	सिगाटोका लीफ स्पॉट	150	750	500	24	103

बुरशीनाशक वापरण्याच्या पद्धतीसंबंधी चांगल्या प्रथा:

वापरण्याची निर्देश: आवश्यक प्रमाणात बुरशीनाशक घेऊन ते थोडाशा पाण्यात मिसळून एकजीव करावा. उरलेल्या पाण्याची भर घालून मिश्रण एकजीव करावे. पंपाने फवारणी करावी. **हवामान परिस्थिती:** फवारणीसाठी सकाळ किंवा संध्याकाळची वेळ सर्वोत्तम. जोरदार वारे सुरू असताना फवारणी करू नये. **माती आणि पाणी:** हे पानांवर फवारणी करण्यासाठी बुरशीनाशक आहे त्यामुळे मातीची काही संबंध नाही. **वापरण्यासाठी पिकाची स्थिती:** रोगाची प्राथमिक लक्षणे दिसण्यापूर्वी प्रतिबंधात्मक उपाय. **वापरण्याची पद्धत:** मोठाव किंवा छोटाव आकारणा स्प्रेयरने फवारणी करता येते. हाताने चालवता येणारा किंवा ट्रॅक्टरवर बसवलेला आणि होलो कोन नोझल बसवलेल्या स्प्रेयर ने फवारणी करावी. आणि संपूर्ण पिकावर नीट फवारणी करण्यासाठी पुरेशा प्रमाणात पाणी वापरावे. **उपकरणाचे प्रकार:** मोठाव आणि लहान आकारचे स्प्रेयर, हाताने चालवता येणारे आणि ट्रॅक्टरवर बसवलेले स्प्रेयर. **नोझल प्रकार:** होली कोन नोझल.

मात्रा: कृपया मात्रा तक्ता बघा.

मिश्रणासाठी निर्देश: कृपया "वापरण्यासाठी निर्देश" बघा. **पुनर्प्रवेश अवधी:** 24 तास. **वापरण्याची पद्धत आणि वेळ:** रोगाची प्राथमिक लक्षणे दिसण्यापूर्वी प्रतिबंधात्मक उपाय. **वापरण्याची वेळ:** हे उत्पादन प्रोफायलॅक्टिक म्हणून वापरता येते. फवारणीसाठी सकाळ किंवा संध्याकाळची वेळ सर्वोत्तम. **फवारण्याच्या अधिकतम संख्येसह पुनरावृत्ती:** रोगाच्या तीव्रतेनुसार 2-3 फवारण्या.

कोणत्याही पिकावर बुरशीनाशक वापरू नये अशा स्थिती: पीक पूर्णपणे तयार झालाच किंवा अगदी कापणीपूर्वी वापर नये.

मधमाशांसारख्या लाभदायक कीटक आणि कीटकांच्या नैसर्गिक शत्रूंचा हानी पोहचू नये म्हणून घ्यायची काळजी: 1. माशे आणि जलचरप्राणी विषारी असल्यामुळे जलशास्त्रीय काम करायचे असेल तर मासवाडत होत असलेल्या ठिकाणी वापर नये. 2. हे मधमाशांसाठी विषारी आहे. मधमाशा सक्रिय असताना फवारणी करणे टाळावे.

विषबाधेची लक्षणे: डोळे, त्वचा आणि श्वासाच्या नलीत जळजळ होणे, प्रारंभीचे लक्षण मळमळ, उलट्या असाव्यात करून टाकणे, डोळ्यांत आणि त्वचेत जळजळ होणे.

प्रथमोपचार: त्वचेशी संपर्क झाला असल्यास दूषित कपडे लगेच काढून टाका आणि दूषित त्वचा भरपूर पाणी आणि साबणाने स्वच्छ धुवा. श्वासाद्वारे आत गेलाच, रुग्णास शांत ठेवा आणि गोकळवा हाताने नका. डोळ्यांशी संपर्क झालाच डोळे उघडून पाण्याखाली पाण्याच्या जलद वेगाने किमान 15 मिनिटे धुवा. गोळा गेले असल्यास लगेच मुख